Population of Delhi

*144. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether the population of Delhi is increasing steadily;

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to check the increasing population of Delhi;

(c) whether any decision has been taken to develop new townships in the neighbourhood of Delhi;

(d) if so, the details thereof; and

(e) the time by which these township are likely to come into existence ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SMT. SHEILA KAUL) : (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) (1) An area of about 30000 sq. km. falling in Delhi and neighbouring districts of Rajasthan, Haryana and Uttar Pradesh has been defined as the National Capital Region.

(2) A statutory inter-State body called NCR Planning Board has been established. The Board has prepared a comprehensive integrated plan for the progressive decongestion of Delhi and balanced development of selected counter-magnet towns in NCR and beyond.

(3) A total expenditure of Rs. 189.19 crores has been incurred on all NCR development schemes during the period 1974– 1993, out of which the Central Share amounts to Rs. 87.24 crores and the contributions from the States of Rajasthan, Haryana and Uttar Pradesh, amount to Rs. 101.95 crores. In addition, the Board released Rs. 2.00 crores for the counter-magnet areas in Punjab and Madhya Pradesh during 1991-92. Against this, the total expenditure incurred upto 31-3-1993 was Rs. 1.53 crores.

(4) The total Central budget allocation for NCR Planning Board has been stepped upto Rs. 200 crores in the VIII Five Year Plan from the allocation of Rs. 35 crores made in the VII Plan.

(5) It has been decided that only such new Central Government offices which directly service the Ministries of the Government of India be located in Delhi. Existing offices of Public Sector Undertakings with in Delhi should be encouraged to shift, while new offices of Public Sector Undertakings, to the extent they can be located within their operational areas outside Delhi, should be so located.

(6) The Government of National Capital Territory of Delhi has taken a policy decision that no more industrial areas will be laid out in Delhi.

(c) and (d) The National Capital Region Planning Board has embarked on a strategy for accelerated development of new township projects alongside the priority towns, namely Meerut, Hapur, BulandshahrKhurja Complex, Panipat, Rohtak, Rewari-Bhiwadi, Dharuhera, Palwal and Alwar, and two D.M.A. towns, namely Bahadurgarh and Kundli, to attract and permanently absorb about 20 lakh people to be deflected from Delhi by 2001 A.D.

(e) By 2001 A. D.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : मैं माननीय मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि दिल्ली की आबादी जो 1951 में 14 लाख थी वह 1991 में बढ़ कर 93 लाख हो गई है और 2001 तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो जायेगी और डेढ़ करोड़ की आबादी के लिए न दिल्ली में जमीन है, न पानी है, न बिजली है और न कोई नागरिक सुविधाएं हैं तो इस आबादी को यहां पर आगे बढ़ने से रोका जाना चाहिए । उसके लिए जो आपने उत्तर दिया है कि हरियाणा में या आसपास के प्रदेशों के शहर विकसित किये जा रहे हैं उन शहरों में 1974 से लेकर 93 तक एक भी आदमी दिल्ली का वहां पर बस नहीं सका तो ये योजनाएं तो पूरी तरह से फेल हो गई हैं, असफल हो गई है । एन० सी० आर० वाली बात भी दिल्ली के अन्दर बढ़ती आबादी को रोक नहीं रही है । दिल्ली सारी दुनिया में इतनी तेजी से बढ़ने वाला शहर है कि यह महास्लम बन गया है और 2001 तक यह रहने लायक शहर नहीं

रहेगा आपकी क्या योजना है कि यहां पर दिल्ली की आबादी इससे ज्यादा न बढ़े, सीमा में रहे और उसके लिये कागजी कार्रवाई के अतिरिक्त भी कोई योजना है आपके पास ?

श्रीमती शीला कौल : इन्होंने अभी जिक्र किया कि आबादी बढ़ रही है। यह बात सही है। हमारी आबादी दिल्ली की 1971 में 40.66 थी जो कि 1991 में 94.21 हो गई है। दो-ढाई साल और हो गये हैं, जरूरी है और भी बढ़ गई होगी। आपने जो फर्माया कि करोड़ की तरफ जा रही है यह सही है। हम यह चाहते हैं कि इस आबादी की किसी तरीके से रोका जाए। लेकिन होता क्या है कि जब नौकरी के सिलसिले में लोग यहां आते हैं, पहले एक आदमी आ जाता है जब उसको नौकरी मिल जाती है तो अपनी बीवी-बच्चों को बुला लेता है। इस तरीके से नौकरी के पीछे दिल्ली में आकर आबादी बढ़ाते जा रहे हैं। हमारी यह प्रोब्लम बन गई है। क्योंकि पानी, घर और दूसरी चीजों को आप बढ़ा सकते हैं लेकिन जमीन को खींच कर बढ़ाया नहीं जा सकता। दिल्ली का नाम इतना अट्रेक्टिव है कि अगर कहीं दिल्ली का नाम लिखा हो तो लोग वहां चले जायेंगे। इसलिए एक योजना बनाई है जिसको नेशनल केपिटल रीजन कहा गया है। यह नेशनल केपिटल रीजन वह एरिया है जो कि 30 हजार मील दिल्ली के चारों तरफ लगा हुआ है उसमें हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के डिस्ट्रिक्ट इलाके हैं। इसको बढ़ा कर हम चाहते हैं ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर हो जिससे लोग यहां नौकरी के लिये आने के बजाए वहां उनके लिये इन्तजाम कर दिया जाए। यहां पर यह आबादी थम जाए, रुक जाए और उनको वहां नौकरी मिल जाए। यह हमारी योजना है। हम चाहते हैं जो नेशनल केपिटल रीजन की हमारी योजना है वह पूरी हो जाए।

श्री अजीत जोगी : दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यह फैमिली प्लानिंग में विश्वास नहीं करते। आबादी कैसे कम हो ?

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि का फैमिली प्लानिंग से सम्बन्ध नहीं है। यह आबादी बाहर से लोग दिल्ली में आते हैं उसकी वजह से बढ़ रही है। सारे देश के लोग दिल्ली में आयें यह खुशी की बात है, इस पर कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन सरकारी जमीन पर कब्जा कर के उसके ऊपर एक साल में तीन लाख, चार लाख लोग आकर बैठ जाएं यह ठीक नहीं है। इस समय दिल्ली में तीन लाख झुग्गी-झोंपड़ी हैं और तीन लाख लोग रिसेटलमेंट कालोनी में हैं। जो तीन लाख लोग झुग्गी-झोंपड़ियों में हैं उनको बसाने के लिए, 50 हजार रुपए प्रति झुग्गी री-सैटेल करने पर खर्च आ रहा है। आपने कहा है कि 200 करोड़ रुपया हम आठवीं योजना में खर्च करेंगे। इससे 40 हजार से ज्यादा लोग बसेंगे नहीं। आपने यह भी कहा कि दिल्ली के 20 लाख लोगों को एन०सी०आर०, नेशनल कैपिटल रीजन में हम ले जायेंगे दिल्ली से डिपलाई करके, तो क्या एक आदमी भी दिल्ली से बाहर डिप्लाई किया जा सकता है, क्या एक आफिस भी दिल्ली से बाहर गया है ? आपने कहा कि हम आफिस दिल्ली से बाहर ले जायेंगे। लेकिन पिछले 74 से लेकर 93 तक एक भी सेंट्रल गवर्नमेंट का आफिस दिल्ली से बाहर गया ? अगर आपकी यह योजना मात्र कागजी योजना है तो उस रुपये को दिल्ली पर और ज्यादा अच्छी तरह से खर्च करें। आपकी यह एन०सी०आर० योजना पूरी तरह से फेल हो गई है, इसको मिनिस्टर साहिबा क्यों स्वीकार नहीं करती हैं ?

श्रीमती शीला कौल : जो माननीय सदस्य ने कहा कि योजना जो है यह फेल हो रही है, या फेल हो गयी है, इसको अभी तो शुरू करना है, तो यह फेल कहां से हो गयी है ?

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: This scheme started in 1974. 1974 से 1993 तक।

श्रीमती शीला कौल : यह एक अहम योजना है, इसको एकदम से उठाना और इसको करना आसान नहीं है । यह ऐसा है, जैसा कि मैंने कहा दिल्ली का नाम ही ऐसा है कि दिल्ली का नाम सुनने के बाद सब यहां भाग चले आते हैं । बिहार से आ जाते हैं, हमारे उत्तर प्रदेश से आते हैं, पंजाब से चले आते हैं, मध्य प्रदेश से आते हैं, सब जगह से आते हैं । उनका हम यहां वेल्कम करते हैं । हम चाहते हैं, कि दिल्ली के बाहर भी लोग रहे और इसके लिये हम उनको सुविधा देने के लिये वहां रेल लाइन एस्टेबलिश कर रहे हैं, उनके लिये पावर, बिजली का इन्तजाम कर रहे हैं, उनके लिये सड़कों का इन्तजाम कर रहे हैं । इसमें दो हिस्सों में काम हो रहा है । एक तो सेंट्रल गवर्नमेंट काम कर रही है और दूसरा स्टेट काम कर रहा है । तो स्टेट और हमारी कैपिटल रीजन मिलकर यह करेंगे और जो बड़ी योजनायें हैं, जो सेंट्रल की तरफ से होनी है उनको हमारी चार मिनिस्ट्री रेलवे, ट्रांसपोर्ट कम्युनिकेशन और सहमारी मिनिस्ट्री इसमें हिस्सा लेगी । लेकिन इसमें टाइम लगता है । मैं समझती हूं कि जैसा हम चाह रहे हैं कम से कम हमारी जिन्दगी में, मुझे लगता है कि यह हो जायेगा ।

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता : अगर कुछ करेंगे तो ।

श्रीमती सत्या बहिन : अगर आप रेली में लोगों को बुलायें और वे यहीं रुक जायें तो क्या करें ।

LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT) : Sir, I appreciate the privilege of the Minister of not answering the question in a crisp fashion and of indulging in long explanations. Unfortunately, the subject is such that we ourselves have to put longish questions, but I will try to be brief.

The hon. Minister has said that we have not yet made a beginning. I would like to know when we started allocating funds for the activities concerning the National Capital Region. That is one.

What is the basic purpose of the NCR ? Have all these allocations taken us away from the concept of the National Capital Region, or have they brought us any close to that concept ? What has been the pressure on the population of Delhi because of the establishment of satellite towns like NOIDA around Delhi ?

SHRIMATI SHEILA KAUL : The idea is to arrest and deflect the incoming population of Delhi.

SHRI SIKANDER BAKHT : The NCR has not been able to do it. Therefore, skip it.

SHRIMATI SHEILA KAUL : I remember, you told me that when you were the Minister, you wanted to do it, you wanted to scrap it. I was expecting this from you, that you would again say the same thing.....(*Interruptions*)

SHRI V. NARAYANASAMY : Yes, but he failed to do it.

SHRIMATI SHEILA KAUL : No, no, no. That is a different thing. He was a Minister for a long time. He wanted to do it. But that is a different thing.

SHRI SIKANDER BAKHT : The NCR concept is not workable. That is what I am telling you.

SHRIMATI SHEILA KAUL : Well, let us try. What is the harm in trying to do it ? ....(*Interruptions*).

That is the main thing. As I said, Delhi has charm, and people want to come here. When they want to come here, we have to provide infrastructure for those people. The only way is to have new towns. Townships should come up so that the people can go and stay there and do not crowd the city but stay outside.

SHRI SIKANDER BAKHT : Will the hon. Minister kindly tell us that has been the result of establishment of Noida right at the door-step of Delhi. Has it reduced or increased the pressure of population in Delhi ?

SHRIMATI SHEILA KAUL : Actually there are two reasons why the population grows. One is the natural reason and we all know that. The other is the people coming from outside. The hon. Member has aksed as to what has been the result of having Noida. I may point out that all the land in Noida has been occupied. We are now having a new Noida. That means we are not going into Delhi, but we are going further away from Delhi and are having houses and industries right there.

SHRI S. S. SURJEWALA : The hon. Minister in reply to the question at paras (c) and (d) has said that Rs. 189.00 crores have been allocated between 1974 and 1993—a span of 19 to 20 years. From this it is very evident that this plan is already deal and it has been buried deep. If this is not correct, then I would like to ask the hon. Minister what developmental steps her department has taken to develop the towns which have been mentioned in reply to the question, like Rohtak, Rewari, Palwal, Bahaduragarh, Kundali etc. situated in Haryana to attract the population away from Delhi.

SHRIMATI SHEILA KAUL : We are going to develop new towns and som of those are the ones which the hon. Member has mentioned. The idea is to have like we have Delhi and New Delhi— habtation near the old one. We are going to have in all ten new towns near the old towns. We are not trying to improve upon what is already there. We want something new.

SHRI S. S. SURJEWALA : This is not correct. It has been mentioned that an intergrated programme has been there to develop these towns. I would like to know that has been done for the last 20 years within these towns. If an iota of development has taken place, that may be told here.

SHRIMATI SHEILA KAUL : Sir, it is not easy to develop big places like these. We never can get enough land because there are so many problems. Mr. Surajewala especially should know this because he has been dealing with land. He knows how difficult it is to get land. When we want to have something, these people come and talk about that. Then there is litigation. When we start doing, it is not easy because the problems in front of us are enormous.

SHRI S. S. SURJEWALA : Because of that, all the Haryana land around Delhi has been allowed to be grabbed by unscruplous pueople.

MR. CHAIRMAN : Very little time has been left. Please.

SHRI RAMACHANDRAN PILLAI : Some of the recent studies about the level of population in Delhi revealed that the present level is more than the prescribed limit. These studies also reveal that the level of population will become nine times the prescribed limit by the year 2000 A.D. I would like to know what measures the Government intends taking to check the increasing level of pollution. Or does the Union Government consider this increasing level of pollution a device to check the increasing population in Delhi.

SHRIMATI SHEILA KAUL : Sir I would request the hon. Member to put this question to the Ministry of Environment. That would be much better because that Ministry deals with the question of pollution.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : I will be very brief when I ask her as to what is happening to all the recommendations made by the Planning Commission on the one hand and by the various authorities, on the other hand, for building up the infrastructure to let development take place outside Delhi in the National Capital Region.

SHRIMATI SHEILA KAUL : I could not catch his idea. Will he repeat it ?

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : O.K. I will write to her in this regard.

MR. CHAIRNAN : Anyway. The Question Hour is over.